प्रस्तावना

हमने ग्रीन स्कूल्स प्रोग्राम (जीएसपी) की शुरुआत एक सरल से विचार के साथ की थी।

हम जानते हैं कि पर्यावरण से संबंधित चुनौतियां बढ़ रही हैं, हम यह भी जानते हैं कि चुनौती चाहे कितनी भी बड़ी क्यों न हो, उससे निपटने के लिए हम सबका शामिल होना जरूरी है। इसके लिए हमें प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन के तरीके को बदलने की जरूरत है। हमें अपने उपभोग करने के तरीके में बदलाव लाना होगा, ताकि हम कम संसाधनों में भी समुचित काम कर सकें, और वर्तमान में उपलब्ध तकनीकी की मदद से अपने आसपास के पर्यावरण को बेहतर कर सकें।

हम एक ऐसा प्रोग्राम विकसित करना चाहते थे, जो हमें सीखने में मदद करे। न सिर्फ नए विचारों के स्तर पर, बल्कि उन विचारों को अमल में लाने के स्तर पर भी, ताकि हकीकत में बदलाव लाए जा सकें। हम मानते हैं कि काम खुद कर के ही सबसे अच्छी तरह सीखा जा सकता है। और सीखते-सीखते काम करना सबसे अच्छा होता है।

इसी सरल विचार को हमने ग्रीन स्कूल्स प्रोग्राम (जीएसपी) में परिवर्तित कर दिखाया।

सीएसई का ग्रीन स्कूल्स प्रोग्राम प्रकृति और पर्यावरण शिक्षा तक ही सीमित नहीं है। बल्कि, यह उससे आगे बढ़कर जीएसपी ऑडिट के माध्यम से बच्चों को पर्यावरण पर उनके स्कूल के असर का मूल्यांकन करना सिखाता है। साथ ही इस असर को सटीक तरीके से मापने की जानकारी भी देता है ।

जीएसपी ऑडिट छात्रों को पर्यावरण को समझने के लिए किसी किताब को रटने की बजाए 'खुद कर के' जानने का अवसर प्रदान करता है। अपने शिक्षकों की देखरेख में, छात्र कक्षाओं को छोड़कर बाहर विभिन्न गतिविधियों में शामिल होते हैं, जैसे गिनना, वजन करना, मापना, खोज करना, जांचना, और विश्लेषण करना, ताकि उन्हें यह समझने में मदद मिल सके कि उनके कुछ करने या ना करने का पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ता है। इस प्रोग्राम में भाग लेने वाले स्कूलों ने सीखा है कि उन्हें जो पता है, वह पर्यावरण की रक्षा के लिए पर्याप्त नहीं है। इसके साथ ही, पर्यावरण की रक्षा के लिए जो उपदेश दिए जाते हैं, वास्तव में उन पर अमल करना अक्सर आसान नहीं होता। लेकिन, उन्हें ये भी पता चल गया है कि दुनिया में बदलाव लाने के लिए क्या करना चाहिए।

हम जानते हैं कि दुनिया भर में लोग यह जानकर भयभीत हो रहे हैं कि उन्हें पता ही नहीं है कि 'संवहनीय' होने का क्या मतलब है यही विचार व्यवहार में है। उन्होंने जो कुछ किया और सोचा, उसके बावजूद जलवायु परिवर्तन की आपदा सच है और निश्चित रूप से हमारे आसपास घटित हो रही है। वे महसूस कर पा रहे हैं कि इस वैश्विक चुनौती से निपटने के लिए पर्यावरण प्रबंधन की दिशा में बेहतर कदम उठाने की सख्त जरूरत है।

Waste Management in Schools Hindi.indd 6 09/10/23 11:34 AM

हमारे लिए यह स्कूलों को रैंक, अंक या पुरस्कार देने के लिए कोई रेटिंग प्रोग्राम नहीं है बल्कि यह भविष्य बदलने वालों की एक नई पीढ़ी तैयार करने के लिए लर्निंग प्रोग्राम है। भविष्य के उपभोक्ताओं के पास हमसे विरासत में मिली गलतियों को सुधारने का मौका और भी कम होगा। हम उनके लिए एक खराब दुनिया छोड़कर जा रहे हैं। लेकिन हम जानते हैं की बदलाव लाया जा सकता है अगर लोग पर्यावरण से जुडी जटिलताओं और उसके विभिन्न आयामों को समझ सके — मानना मगर कोई कदम नहीं उठाना और कदम उठाना मगर कोई अंतर ना ला पाना।

हमें उम्मीद है कि हमारा आइडिया काम करेगा। हमें उम्मीद है कि जिस बदलाव में हमारा यकीन है, उसमें आप हमारे साथ शामिल होंगे।



सुनीता नारायण
महानिदेशक, सीएसई

Waste Management in Schools Hindi.indd 7 09/10/23 11:34 AM